

पीलीभीत टाइगर रज़िर्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में एक वायरल वीडियो सामने आने के बाद **जाँच के आदेश दिये गए हैं**, जिसमें कथित तौर पर उत्तर प्रदेश के एक मंत्री के वाहनों का बेड़ा **पीलीभीत टाइगर रज़िर्व** के मुख्य क्षेत्र से गुजरता हुआ दिखाई दे रहा है। इससे **वन नयियों के उल्लंघन** की चर्चा बढ़ गई है।

मुख्य बंदि

- वन वंभिग के नयियों के अनुसार, नजीी वाहनों को मुख्य क्षेत्र में प्रवेश करने पर सख्त प्रतर्बिध है तथा केवल वन वंभिग के वाहनों या सफारी पर्यटन के लयि अधकृत वाहनों को ही प्रवेश की अनुमत है।
- पीलीभीत टाइगर रज़िर्व:
- यह उत्तर प्रदेश के पीलीभीत और शाहजहाँपुर ज़िले में स्थति है।
- इसे वर्ष 2014 में टाइगर रज़िर्व के रूप में अधसूचति कयि गया था।
- वर्ष 2020 में, इसने पछिले चार वर्षों में बाघों की संख्या दोगुनी करने के लयि अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार TX2 जीता।
- यह ऊपरी गंगा के मैदान में तराई आर्क लैंडस्केप का हसिा है।
- रज़िर्व का उत्तरी कनारा भारत-नेपाल सीमा पर स्थति है, जबकि दक्षिणी सीमा शारदा और खकरा नदियों द्वारा चहिनति है।
- वनस्पत और जीव:
- यह 127 से अधकि पशुओं, 326 पक्षी प्रजातियों और 2,100 फूलदार पौधों का नवास स्थान है।
- जंगली जानवरों में बाघ, हलदल हरिण, बंगाल फ़्लोरकिन, तेंदुआ आदि शामिल हैं।
- इसमें कई जल नकियों के साथ ऊँचे साल के वन, वृक्षारोपण और घास के मैदान हैं।

टाइगर रज़िर्व

- धारीदार बड़ी बलिलियों (बाघों) के संरक्षण के लयि नामति संरक्षति क्षेत्र को टाइगर रज़िर्व कहा जाता है। हालाँकि, टाइगर रज़िर्व एक राष्ट्रीय उद्यान या वन्यजीव अभयारण्य भी हो सकता है।
- उदाहरण के लयि: सरसिका टाइगर रज़िर्व भी एक राष्ट्रीय उद्यान है। ऐसा इसलयि है क्योंकि इस जगह को मूल रूप से एक राष्ट्रीय उद्यान के रूप में बनाया गया था और बाद में इसे बाघ संरक्षण के लयि समर्पति कर दयि गया।
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधकिरण की सलाह पर वन्यजीव (संरक्षण) अधनियम, 1972 की धारा 38वी के प्रावधानों के अनुसार राज्य सरकारों द्वारा बाघ रज़िर्वों को अधसूचति कयि जाता है।

TX2 पुरस्कार

- यह उस स्थान को समर्पति है, जहाँ वर्ष 2010 के बाद से बाघों की संख्या में उल्लेखनीय और मापनीय वृद्धि हुई है।